DR. BABASAHEB AMBEDKAR MARATHWADA UNIVERSITY, AURANGABAD

MODEL COLLEGE

Credit Based by Syllabus of Hindi

B.A. II Year

Semester – III, IV

Subject - Hindi

(W.E.E. July - 2012-2013)

B.A II Year

Semester - III

Sub	Course	Course Code	Title	Cridits
द्वितीय भाषा Second Language	S.L	Hin ४११	सामान्य हिंदी - ०१	०४
ऐच्छिक हिंदी	Core - A	Hin ४१२	प्राचीन एवं मध्यकालीन कविता	०४
	Core - B	Hin ४१३	आधुनिक कविता	०४
	Suporative	Hin ४१४	कविता : विधारुप एवं विकास	०४
	Applied	Hin ४१५	प्रयोजनमूलक हिंदी - १	०४

Semester - IV

द्वितीय भाषा Second Language	S.L	Hin ४१६	सामान्य हिंदी - ०२	०४
ऐच्छिक हिंदी	Core - A	Hin ४१७	जीवनीपरक गद्य	०४
	Core - B	Hin ४१८	निबंध साहित्य	०४
	Suporative	Hin ४१९	हिंदी गद्य : विधारुप एवं विकस	०४
	Applied	Hin ४२०	प्रयोजनमूलक हिंदी - २	०४

२

बी. ए. द्वितीय वर्ष : तृतिय सत्र

Core : हिंदी : द्वितीय भाषा (Second Language)

Course Code HIN - ४११

उद्देश्य :

१. हिंदी भाषा की संरचना का अध्ययन

२. लेखन तथा भाषण कौशल का विकास

३. कथेत्तर गद्य साहित्य का अध्ययन

अध्ययन - अध्यापन पद्धति :

१. व्याख्यान

२. स्वाध्याय

पाठयपुस्तक :

१. गद्य सागर : संपा. हिंदी पाठय समिति डॉ. बा.आं.म. वि, औरंगाबाद.

पाठयक्रम में समाविष्ट रचनाएँ : यज्ञ, अचरण की सभ्यता, अभी अभी हूँ अभी नहीं, हेमंत की संध्या उधार मांगना भी एक कला है, हम भ्रष्टन के भ्रष्ट हमारे,

पाठयांश :

	तासिका
१. निबंध, ललित निबंध, व्यंग्यविधा : स्वरुप और विकासक्रम	12
२. संकलन की रचनाओंका कथ्य और शिल्पगत अध्ययन	12
३. प्रयोजनमूलक भाषा : स्वरूप एवं महत्व, भाषा की परिभाषा, विशेषताएँ एवं प्रकार्य,	12
वैश्वीकरण के परिप्रेक्ष्य में हिंदी का महत्व	12
४. भाषा शिक्षण : स्वरुप एवं प्रक्रिया, भाषा कौशल श्रवण कौशल भाषण कौशल,	12
वाचन कौशल लेखन कौशल	
	60

५. व्यावसायिक हिंदी : वाणिज्य व्यापार: तात्पर्य एवं स्वरुप, वाणिज्य व्यापार के साधन, वाणिज्य व्यापार और भाषिक प्रकार्य, वाणिज्य-व्यावसायिक भाषा : संरचनात्मक विशेषताएँ, व्यावसायिक पत्र लेखन

संदर्भ ग्रंथ :

१. प्रयोजनमूलक हिंदी : डॉ. माधव सोनटक्के, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद.

२. प्रयोजनमूलक हिंदी : आधुनातन आयाम : डॉ. अंबादास देशमुख, शैलजा प्रकाशन, कानपुर

३. प्रयोजनमूलक हिंदी : विविध परिदृश्य : रमेशचंद्र त्रिपाटी / पवन अग्रवाल, अलका प्रकाशन, कानपुर

४. प्रयोजनमूलक तथा व्यावहारिक हिंदी : डॉ सुकुमार भंडारे, विकास प्रकाशन, कानपुर

५. हिंदी निबंध साहित्य का सांस्कृतिक अध्ययन : डॉ. बाबूराम, वाणी प्रकाशन, दिल्ली.

बी. ए. द्वितीय वर्ष : तृतीय सत्र

हिंदी : ऐच्छिक (Optional Hindi)

Course Code : HIN ४१२

Core A : प्राचीन एवं मध्यकालीन कविता

उद्देश्य :

१. साहित्य आस्वादन और अभिरुचि का परिसंस्कार

२. जीवन मूल्यों के प्रति आस्था

३. काव्य साहित्य का अध्ययन

४. लेखन तथा भाषण कौशल का विकास

अध्ययन - अध्यापन पध्दति :

१. व्याख्यान

२. दृकश्राव्य साधनों का प्रयोग

३. कार्यशाला

४. स्वाध्याय

पाठयपुस्तक :

१. प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य : संपा. राजकुमार सिंह, परमार प्रकाशन : मलिक ॲण्ड कंपनी, जयपुर.

पाठयांश : तासिका

१. प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य मे संकलित कविताओं का परिचय	12
२. संत साहित्य और कबीर का काव्य : संवेदना और शिल्पगत अध्ययन	12
३. सगुन भक्ति काव्य और सुर, तुलसी का काव्य : संवेदना और शिल्पगत अध्ययन	12

४. मीरा / रज्जब का काव्य : संवेदना और शिल्पगत अध्ययन 12

५. सूफी काव्य और जायसी का काव्य : संवेदना और शिल्पगत अध्ययन 12

संदर्भ ग्रंथ :

१. प्राचीन कवि : संपादक : विश्वंभर मानव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद.

२. कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, इलाहाबाद

३. कबीर और तुकाराम के काव्य में प्रगतिशील चेतना : डॉ. सुनील कुलकर्णी, विकास प्रकाशन, कानपुर

४. मध्यकालीन काव्य के आधार स्तंभ: तेजपाल चौधरी, विकास प्रकाशन, कानपुर

५. जायसी : एकनई दृष्टि : डॉ. रघुवंश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

६. निराला का काव्य : विविध संदर्भ : डॉ. मीरा श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

७. महात्मा कबीर और महात्मा फुले : डॉ. सुधाकर शेंडगे, अतुल प्रकाशन, कानपुर

८. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य : मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

९. गोस्वामी तुलसिदास : रामचंद्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

१०. मीरा का काव्य : विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

११. सुफीमत और हिंदी सूफी काव्य : डॉ. नरेश, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

१२. सूरदास : रामचंद्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

बी. ए. द्वितीय वर्ष : तृतीय सत्र

हिंदी : ऐच्छिक (Optional Hindi)

Course Code : Hin ४१३

Coure B : आधुनिक कविता

उद्देश्य :

१. साहित्य आस्वादन और अभिरुचि का परिसंस्कार

२. जीवन मूल्यों के प्रति आस्था

३. काव्य साहित्य का अध्ययन

४. लेखन तथा भाषाण कौशल का विकास

अध्ययन - अध्यापन पध्दति :

१. व्याख्यान

२. दृक-श्राव्य साधनों का प्रयोग

३. कार्यशाला

४. स्वाध्याय

पाठयपुस्तक :

१. आधुनिक काव्य संग्रह : संपादिका डॉ. उर्वशी शर्मा, मलिक ॲण्ड कंपनी , जयपुर

पाठयांश : तासिका

१. छायावादी काव्य और प्रसाद, निराला तथा पंत का काव्य : संवेदना तथा शिल्पगत अध्ययन १५

२. गजानन माधव मुक्तिबोध का काव्य : संवेदना तथा शिल्पगत अध्ययन १५

३. रघुवीर सहाय का काव्य : संवेदना तथा शिल्पगत अध्ययन १५

७

बी. ए. द्वितीय वर्ष : तृतिय सत्र

हिंदी : ऐच्छिक (Optional Hindi)

Course Code : Hin ४१४

Supportive : कविता : विधारुप एवं विकास

उद्देश्य :

१. साहित्य आस्वादन और अभिरुचि का परिसंस्कार

२. जीवनमूल्यों के प्रति आस्था

३. काव्य साहित्य का अध्ययन

४. लेखन और भाषण कौशल का विकास

अध्ययन अध्यापन पद्धति :

१. व्याख्यान

२. दृक-श्राव्य साधानों का प्रयोग

३. कार्यशाला

४. स्वाध्याय

पाठयांश :

तासिका-

१. कविता : तात्पर्य एवं परिभाषा	१०
२. प्रबंध कविता और उसके भेद	०८
३. महाकाव्य का परिचय	०८
४. खंण्डकाव्य का परिचय	०८
५. मुक्त काव्य का परिचय	०८
६. नीतिकाव्य का परिचय	०८

७. प्राचीन तथा मध्यकालीन कविता : विकासात्मक परिचय १०

८. आधुनिक हिंदी कविता : विकासात्मक परिचय १०

संदर्भ ग्रंथ :

१. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिध्दात : डॉ. शान्तिस्वरुप गुप्त, अशोक प्रकाशन, दिल्ली

२. भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र : सत्यदेव चौधरी, शांतिस्वरुप गुप्त, अशोक प्रकाशन, दिल्ली.

३. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य की रुपरेखा डॉ. रामचंद्र तिवारी लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद.

४. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य शास्त्र : डॉ. देवराजसिंह भाटी, अशोक प्रकाशन, दिल्ली.

बी. ए. द्वितीय वर्ष : तृतीय सत्र

हिंदी : ऐच्छिक (Optional Hindi)

Course Code : Hin ४१५

Core Applied : प्रयोजनमूलक हिंदी १

उद्देश्य :

१. जीवन मूल्यों के प्रति आस्था

२. प्रयोजनमूलक हिंदी का अध्ययन

३. लेखन तथा भाषण कौशल का विकास

अध्ययन - अध्यापन पद्धति

१. व्याख्यान

२. दृकश्राव्य साधानों का प्रयोग

३. कार्यशाला

४. स्वाध्याय

पाठयपुस्तक :

१. प्रयोजनमूलक हिंदी : डॉ. माधव सोनटक्के, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

पाठयांश :

तासिका

१५

१. प्रयोजनमूलक हिंदी : स्वरुप तथा प्रयोगक्षेत्र प्रयोजनमूलक भाषा से तात्पर्य, प्रयोजनमूलक हिंदी : नामकरण, परिभाषा एवं स्वरुप, व्यवहार क्षेत्र या प्रयुक्तियाँ वैज्ञानिक और तकनीकी हिंदी, प्रशासनीक कार्यालयी हिंदी, विधी की हिंदी, वाणिज्य और व्यावसायिक हिंदी, जनसंचार माध्यमों की हिंदी

२. पारिभाषिक शब्दावली : पारिभाषिक शब्द : स्वरुप तथा परिभाषा, सामान्य विशेषताएँ, निर्धारण : समस्या और समाधान, भारतीय पारिभाषिक शब्दावली, सरकारी - अद्‌र्धसरकारी कार्यालयों मे काम आनेवाली पारिभाषिक शब्दावली, मंत्रालयों, कार्यालयों के नाम तथा पदनाम, भारतीय पारिभाषिक शब्दावली : प्रश्नों के घेरे १५

३. व्यावहारिक - व्यावसायिक पत्र लेखन, व्यावसायिक पत्र स्वरुप एवं प्रारुप, व्यावसायिक व्यावहारिक पत्र की स्वरुपगत विशेषताएँ, आवेदन पत्र, साख पत्र, मूल्य ज्ञापन पत्र, शिकायत पत्र, समायोजन पत्र, तगादा पत्र विशेष व्यावहारिक पत्र, बैंक तथा बैंकिग से संबंधित पत्र १५

४. सरकारी तथा अद्‌र्धसरकारी पत्र व्यवहार, सरकारी पत्राचार से तात्पर्य, सामान्य विशेषताएँ, स्वरुप एवं प्रारुप, अद्‌र्धसरकारी पत्र का स्वरुप तथा प्रारुप, सरकारी पत्र के विविध रुप, ज्ञापन, अधिसूचना, आदेश, परिपत्र प्रेस विज्ञप्ति १५

संदर्भ ग्रंथ

१. प्रयोजनमूलक हिंदी : डॉ. माधव सोनटक्के, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद.

२. प्रयोजनमूलक हिंदी : अनुनातन आयाम : डॉ. आंबादास देशमुख, शैलजा प्रकाशन, कानपुर

३. प्रयोजनमूलक हिंदी : विविध परिदृश्यः रमेशचंद्र त्रिपाठी / पवन अग्रवाल, अलका प्रकाशन, कानपुर

४. प्रयोजनमूलक तथा व्यावहारिक हिंदी : डॉ. सुकुमार भंडारे, विकास प्रकाशन कानपुर

बी. ए. द्वितीय वर्ष : चतुर्थ सत्र

Core : हिंदी : द्वितीय भाषा (Second Language)

Corse Code : Hin ४१६

उद्देश्य :

१. हिंदी भाषा की संरचना का अध्ययन

२. कौशल का विकास

अध्ययन - अध्यापन पद्धति :

१. व्याख्यान

२. स्वाध्याय

पाठय पुस्तक :

१. 'गद्य सागर' : हिंदी पाठय समिति, डॉ. बा.आं.म.विद्यापीठ, औरंगाबाद,
पाठयक्रम में समाविष्ट रचनाएँ ; बैजू मामा, रामकली, निराला भाई, मेरा हमदम मेरा दोस्त : कमलेश्वर, पृथ्वीराज की ऑखे, मम्मी ठकुराईन

पाठयांश :

तासिका

१. रेखाचित्र और संस्मरण : विधा स्वरूप और विकास क्रम का अध्ययन १०

२. संकलन की रचनाओं का कथ्य और शिल्पगत अध्ययन २०

३. मीडिया लेखन : जनसंचार माध्यम के विविध रुप, समाचार लेखन, रेडिओ वार्ता लेखन, फिचर लेखन १०

४. वैज्ञानिक तथा तकनीकी हिंदी ; वैज्ञानिक तथा तकनीकी हिंदी का स्वरूप एवं विशेषताएँ, पारिभाषिक शब्दावली निर्माण : सिध्दान्त एवं प्रयोग, वैज्ञानिक तकनीकी अनुवाद का स्वरुप एवं समस्याएँ १०

५. निबंध लेखन : तात्पर्य एवं परिभाषा, निबंध के भेद, निबंध लेखन प्रक्रिया १०

संदर्भ ग्रंथ :

१. प्रयोजनमूलक हिंदी : डॉ. माधव सोनटक्के, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद.

२. प्रयोजनमूलक हिंदी : अधुनातन आयाम, डॉ. अंबादास देशमुख, शैलजा प्रकाशन, कानपुर

३. प्रयोजनमूलक हिंदी : विविध परिदृश्य : रमेशचंद्र त्रिपाटी / पवन अग्रवाल, अलका प्रकाशन, कानपुर

बी. ए. द्वितीय वर्ष : चतुर्थ सत्र

हिंदी : ऐच्छिक (Optional Hindi)

Course Code : Hin ४१७

Core A : जीवनीपरक गद्य

उद्देश्य :

१. साहित्य आस्वादन और अभिरुचि का परिसंस्कार

२. जीवन मूल्यों के प्रति आस्था

३. जीवनीपरक गद्य का अध्ययन

४. लेखन तथा भाषण कौशल का विकास

अध्ययन अध्यापन पध्दति :

१. व्याख्यान

२. दृकश्राव्य साधनों का प्रयोग

३. कार्यशाला

४. स्वाध्याय

पाठयपुस्तक :

१. अपनी खबर : पाण्डेय बेचेन शर्मा 'उग्र'

२. स्मृतिबिंब : संपा. डॉ. चंद्रेश्वर कर्ण, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद.

पाठयांश :

	तासिका
१. रचनाकार पाण्डेय बेचेन शर्मा 'उग्र' जी का परिचय	
२. 'अपनी खबर' आत्मकथा का कथ्यगत विवेचन	12
३. 'अपनी खबर' अत्मकथा का शिल्पगत विवेचन	12
४. 'स्मृतिबिंब' में संकलित रचनाओं का कथ्यगत अध्ययन	12
५. 'स्मृतिबिंब' में संकलित रचनाओं का शिल्पगत अध्ययन	12

बी. ए. द्वितीय वर्ष : चतुर्थ सत्र

हिंदी ऐच्छिक (Optional Hindi)

Course Code : Hin ४१८

Core B : निबंध साहित्य

उद्देश्य :

१. साहित्य आस्वादन और अभिरुचि का परिसंस्कार

२. जीवनमूल्यों के प्रति आस्था

३. निबंध साहित्य का अध्ययन

४. लेखन तथा भाषण कौशल का विकास

अध्ययन - अध्यापन पध्दति :

१. व्याख्यान

२. दृक-श्राव्य साधनों का प्रयोग

३. कार्यशाला

४. स्वाध्याय

पाठयपुस्तके :

१. श्रेष्ठ ललित निबंध : संपा. डॉ. नंदजी दुबे, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

२. काग भगोडा : हरिशंकर परसाई, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

पाठयांश :

तासिका

१. श्रेष्ठ ललित निबंध में संकलित रचनाओं का कथ्यगत अध्ययन १५

२. श्रेष्ठ ललित निबंध में संकलित रचनाओं का शिल्पगत अध्ययन १५

३. रचनाकार हरिशंकर परसाई का जीवन तथा रचना संसार १५

४. 'काग भगोडा' में संकलित व्यंग्य का कथ्यगत तथा शिल्पगत अध्ययन १५

संदर्भ ग्रंथ :

१. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी व्यंग्य का मूल्यांकन : डॉ. सुरेश माहेश्वरी, विकास प्रकाशन, कानपुर

२. हरिशंकर परसाई : व्यक्तित्व एवं कृतित्व डॉ. मनोहर देवलिया, साहित्यवाणी, इलाहाबाद

३. हरिशंकर परसाई के व्यंग्यों में वर्ग चेतना : डॉ. आभा भट्ट, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद.

बी. ए. द्वितीय वर्ष : चतुर्थ सत्र

हिंदी : ऐच्छिक (Optional Hindi)

Course Code ४१९

Supporative : हिंदी गद्य : विधा रुप एवं विकास

उद्देश्य :

१. साहित्य आस्वादन और अभिरुचि का परिसंस्कार

२. जीवन मूल्यों के प्रति आस्था

३. गद्य साहित्य का अध्ययन

४. लेखन तथा भाषण कौशल का विकास

अध्ययन अध्यापन पद्धति :

१. व्याख्यान

२. दृकश्राव्य साधनों का प्रयोग

३. कार्यशाला

४. स्वाध्याय

पाठयांश :

	तासिका
१. हिंदी गद्य : विद्यारुप एवं विकास का अध्ययन	१०
२. हिंदी आत्मकथा : विधा रुप एवं विकास का अध्ययन	१०
३. हिंदी जीवनी : विधारुप एवं विकास का अध्ययन	१०
४. हिंदी संस्मरण : विधारुप एवं विकास का अध्ययन	०५
५. हिंदी रेखाचित्र : विधारुप एवं विकास का अध्ययन	०५
६. हिंदी ललित निबंध : विधारुप एवं विकास का अध्ययन	१०

७. व्यंग्य विधा रुप एवं विकास का अध्ययन १०

संदर्भ ग्रंथ :

१. साहित्यशास्त्र : डॉ. माधव सोनटक्के

२. कथेत्तर साहित्य की विविध विधाए : वैद्यनाथ सिहल, हिमाचल प्रदेश साहित्य अकादमी, सिमला

३. साहित्य शास्त्र : डॉ. चंद्रभानु सोनवणे

बी. ए. द्वितीय वर्ष : चतुर्थ सत्र

हिंदी : ऐच्छिक (Optional Hindi)

Course Code : Hin ४२०

Core : Applied : प्रयोजनमूलक हिंदी २

उद्देश्य :

१. जीवन मूल्यों के प्रति आस्था

२. प्रयोजनमूलक हिंदी का अध्ययन

३. लेखन तथा भाषण कौशल का विकास

अध्ययन - अध्यापन पद्धति :

१. व्याख्यान

२. दृक-श्राव्य साधनों का प्रयोग

३. कार्यशाला

४. स्वाध्याय

पाठय पुस्तके :

१. प्रयोजनमूलक हिंदी : डॉ. माधव सोनटक्के, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

पाठयांश :

तालिका

२०

१. व्यापार और जनसंचार माध्यम : व्यापारिक विज्ञापन और जनसंचार के माध्यम, समाचारपत्रीय विज्ञापन, आकाशवाणी द्वारा प्रसारित विज्ञापन, दूरदर्शन द्वारा प्रसारित विज्ञापन, चित्रपट विज्ञापन, व्यापारिक जनसम्पर्क में जनसंचार माध्यमों का योगदान, जनसंचार माध्यमों का दायित्व, विज्ञापन की भाषा, विज्ञापनीय भाषा की विशेषताएँ, विज्ञापन की हिंदी : स्वरुप एवं समस्याएँ

२०

२. अद्यतन इलैक्ट्रानिक संचार माध्यम और हिंदी : कम्यूटर : सामान्य परिचय, उपयोगिता, संरचना, प्रकार, सॉफ्टवेअर पैकेज, हिंदी में शब्द संसाधन हिंदी में डाटा संसाधन, इंटरनेट : अविष्कार और विकास तात्पर्य और स्वरुप, नेटवर्क, इंटरनेट कार्यप्रणाली, इंटरनेट के सम्पर्क उपकरण : कम्युटर, ऑपरेटिंग सिस्टम, संचार माध्यम, डायल अप कनेक्शन, मॉडेम, बेसिक सॉफ्टवेअर, इंटरनेट सर्विसप्रोफायडर, इंटरनेट प्रोटोकॉल्स, इंटरनेट इल्स, इंटरनेट की उपयोगीता : ई मेल, इंटरनेट दूरध्वनि, वर्ल्ड वाईड वेब, एफ.टी.एफ, ई कॉमर्स, इंटरनेट रिले चैट, इंटरनेट फैक्स, वेब पत्रकारिता, ब्लागिंग, पोडकास्टिंग — २०

३. मानक लिपि और अंक लेखन : हिंदी की स्वीकृत वर्णमाला तथा अंकलेखन देवनागरी लिपि : गुण - दोष — १०

४. अनुवाद : स्वरुप, परिभाषा, भेद, शब्दानुवाद, सहजानुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद, सारानुवाद, व्याख्यानुवाद, वार्तानुवाद, रुपान्तरण, भाषान्तरण, अनुवाद के गुण — १०

संदर्भग्रंथ :

१. प्रयोजनमूलक हिंदी : डॉ. माधव सोनटक्के, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद.

२. प्रयोजनमूलक हिंदी : अनुनातन आयाम : डॉ. अबादास देशमुख, शैलजा प्रकाशन, कानपुर

३. प्रयोजनमूलक हिंदी : विविध परिदृश्य : रमेशचंद्र त्रिपाठी / पवन अग्रवाल, अलका प्रकाशन, कानपुर

४. प्रयोजनमूलक तथा व्यावहारिक हिंदी : डॉ. सुकुमार भंडारे, विकास प्रकाशन कानपुर

डॉ. सुकुमार भंडारे
अध्यक्ष
हिंदी पाठ्य समिति

२१